



काशी हिन्दू
विश्वविद्यालय



BANARAS HINDU
UNIVERSITY



प्रबन्ध शास्त्र संस्थान

INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES

... Empowering managerial minds since 1968 ...



Extends a very warm welcome to the Cultural Ambassadors
from different parts of the country participating in the
Rashtriya Sanskriti Mahotsav.

प्रबन्ध शास्त्र संस्थान प्रदर्शनी

राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव 2016 के अवसर पर प्रबन्ध शास्त्र संस्थान,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित

'प्रबन्ध शास्त्र संस्थान प्रदर्शनी' में आपका हार्दिक स्वागत है।

प्रबन्ध शास्त्र के विभिन्न पहलुओं की जानकारी के लिए प्रदर्शनी में अवश्य पधारें।

प्रदर्शनी का समय – मध्याह्न 12 बजे से सायं 4 बजे तक
दिनांक – 23.12.2016

प्रबन्ध शास्त्र संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

Management Exhibition

Institute of Management Studies, Banaras Hindu University
welcomes you to the Management Exhibition on achievements of the
Institute and recent development in Management Studies.

Being organized on the occasion of Rastriya Sanskriti Mahotsava-2016.

Exhibition Time: 12.00 noon to 4.00 p.m. Date: 23.12.2016

Institute of Management Studies

(In front of Bharat Kala Bhawan)

Management Exhibition

on the occasion of **Rashtriya Sanskriti Mahotsav**

Today (23 December 2016), **Institute of Management Studies (Faculty of Management Studies), BHU** organized a **Management Exhibition** on the occasion of ongoing **Rashtriya Sanskriti Mahotsav (RSM BHU 2016)** and welcomed the **Cultural Ambassadors (Artists and Performers)** from different parts of the country attending '**Rashtriya Sanskriti Mahotsav-2016**' in the Institute.

The Exhibition was started with floral tribute to **Mahamana Pt. Madan Mohan Malviya Ji**, Lighting of Lamp and Recitation of Kulgeet. **Prof. Raj Kumar**, Director, Dean & Head, Institute of Management Studies, Banaras Hindu University welcomed and greeted the guests. **Prof. Girish Chandra Tripathi**, Hon'ble Vice Chancellor, BHU was the Chief Guest on the occasion.

Hon'ble Vice Chancellor, enjoyed the presentation of Nukkad Natak by the students of the Institute on the occasion and highly appreciated it. Day-long performances of traditional arts were performed by artists from Punjab, Chattishgarh, Jammu etc. The programs presented on the occasion was very well enjoyed by the university community.

The Institute also presented its history and achievements through various presentations on the occasion. Prof. Raj Kumar extended vote of thanks to the students, scholars, faculty members and the artists, who presented various forms of art during the Exhibition.

कुलपति की उपस्थिति में प्रबन्ध संस्थान में रंगारंग प्रस्तुतियाँ

राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव में शुक्रवार का दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोक कलाकारों के स्वागत, आतिथ्य एवं प्रदर्शन से स्मरणीय बन गया। इस अवसर पर प्रबन्ध शास्त्र संस्थान में माननीय कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रो० गिरीशचन्द्र त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति में संस्थान के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं, स्वच्छ भारत अभियान एवं विमोद्रीकरण जैसे विषयों को संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त जम्मू कश्मीर, बिहार, पंजाब, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से आये लोक कलाकारों ने मोहक प्रस्तुतियाँ दी। जिन्हें सभी दर्शकों ने गर्मजोशी से सराहा। छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक को कुलपति महोदय में मुक्तकंठ से सराहा।

इस आयोजन में प्रबन्ध शास्त्र संस्थान के निदेशक प्रो० राजकुमार ने सभी अतिथी लोक कलाकारों, कुलपति महोदय के साथ पधारे सभी अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों एवं अन्य आगंतुकों को धन्यवाद इस अवसर का साक्षी बनने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।









हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शनिवार, 24 दिसम्बर 2016, वाराणसी, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर

www.livehindustan.com

महिला महाविद्यालय और प्रबंध संस्थान में पहुंचे बीएचयू वीसी प्रो. जीसी त्रिपाठी

चुनौतियों के लिए तैयार हों युवा

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

बीएचयू के कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि ज्ञान और कौशल निर्माण ही हमारे अकादमिक संस्थानों का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। क्योंकि 21 वीं शताब्दी चुनौतियों की है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए युवा पीढ़ी को तैयार करना होगा।

महिला महाविद्यालय में चल रही राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक रूप से संरचनात्मक कार्यों के लिए आयोजित कार्यशाला के समापन पर उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण एक सतत प्रक्रिया है और इसमें युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयोजन में विभिन्न प्रांतों की 300 छात्राओं ने सहभागिता की।

समापन अवसर पर अभिनेता एवं प्रख्यात रंगकर्मी मनोज जोशी की उपस्थिति से छात्राएं चहक उठीं। समिति के निदेशक दीपांकर श्रीज्ञान ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सामाजिक



प्रबंध संस्थान में विद्यार्थियों से बातचीत करते कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी व अन्य। • हिन्दुस्तान

विज्ञान संकाय के डीन प्रो. मंजीत चतुर्वेदी, संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव पीपी श्रीवास्तव, वेदव्यास कुंडू, डॉ. मंजू, मधुमिता खान, डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, डॉ. अजय यादव, डॉ. सुनीता सिंह उपस्थित थे।

प्रबंध संस्थान में रंगारंग प्रस्तुतियां: राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव के तहत शुक्रवार को प्रबंध संस्थान में विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान कुलपति की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं ने नाटक के

माध्यम से बेटी बचाओ, स्वच्छ भारत अभियान, विमुद्रीकरण आदि विषयों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कुलपति ने छात्राओं की प्रस्तुति को काफी सराहा। संस्थान निदेशक प्रो. राजकुमार व शिक्षक, छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।



विकास की रीढ़ हैं कला, संस्कृति

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव में शुक्रवार का दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोक कलाकारों के स्वागत, आतिथ्य एवं प्रदर्शन से स्मरणीय बन गया। इस अवसर पर प्रबन्ध शास्त्र संस्थान में संस्थान के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान एवं विमुद्रीकरण जैसे विषयों को संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त जम्मू कश्मीर, बिहार, पंजाब, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से आये लोक कलाकारों ने मोहक प्रस्तुतियां दी।

छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक को कुलपति महोदय में मुक्तकंठ से सराहा। इस आयोजन में प्रबन्ध शास्त्र संस्थान के निदेशक प्रो राजकुमार ने सभी अतिथी लोक कलाकारों के साथ पधारे सभी अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों एवं अन्य आगंतुकों को धन्यवाद इस अवसर का साक्षी बनने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रीय संस्कृति

महोत्सव, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्वाधान में एवं भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के संयोजन में आयोजित “बाल फ़िल्मोत्सव” के अंतिम दिन समापन समारोह में बीएचयू के कुलपति प्रो. जी. सी. त्रिपाठी ने सेण्ट्रल हिन्दू (बालिका) विद्यालय, कमच्छ

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में संस्कृति महोत्सव

की छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव के आयोजन से बाल मन पर अत्यधिक रचनात्मक प्रभाव पड़ता है एवं उनके व्यक्तित्व का चतुर्मुखी विकास होता है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि ये बच्चे ही कल के “भारत” हैं इन्हीं से नवराष्ट्र का चिंतन एवं निर्माण होता है। हमारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय मालवीय जी के सपने को मूर्तरूप में ला रहा है, हमें इस शताब्दी वर्ष में दृढ़ संकल्पित हो पूरा करना है। इसके पूर्व मनोज जोशी निर्देशक, “चाणक्य” नाटक ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि

संस्कृति ही मानव जीवन की उत्कृष्ट संभावनाओं का मेरुदण्ड है जैसे हम अपने शारीर को मेरुदण्ड से संतुलित रखते हैं वैसे ही संस्कृति मनुष्य के सामाजिक, आर्थिक, एवं वैज्ञानिक विकास को परिवर्धित करती है। श्री एम. एल. श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार ने छोटे बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ये हमारे मंत्रालय का तीसरा राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव है हमें बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जाने का अवसर दिए जाने पर धन्यवाद करते हैं। अंतिम दिन “छुटकन की महाभारत” फिल्म का प्रदर्शन किया गया जो कि अपने पिता के देहावसान के बाद अपने रिश्तेदारों से प्रताडित होता है किन्तु अचानक उसका भाग्य बदलता है और वह सफल हो जाता समापन समारोह में श्रीमती चारु जोशी, प्रो. मनजीत चतुर्वेदी समन्वयक, श्री संजय कुमार, श्री अमीरचन्द, डा. रघुनाथ मोरे, डा. किरण, डा. समता, डा. रूबी, डा. दीपशिखा, डा. बरखा, श्री एस. पी. ध्यानी, श्री राम बल राम, श्री अरविन्द आदि उपस्थित थे।



पृष्ठ 46 अंक 41
पृष्ठ 24+4=28
वाराणसी, शनिवार
14 दिसंबर 2016
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

बेटी बचाने का संदेश

वाराणसी : महोत्सव में आए कलाकारों के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने नुक्कड़ नाटकके माध्यम से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान एवं विमुद्रीकरण जैसे विषयों को संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया। निदेशक प्रो. राजकुमार का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापन किया।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं इलाहाबाद से प्रकाशित

प्रबंधशास्त्र संस्थान में छात्रों का नुक्कड़ नाटक

वाराणसी। बीएचयू प्रबंधशास्त्र संस्थान में सांस्कृति महोत्सव के तहत विविध लोक कलाओं और गीतों के साथ छात्रों ने नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इस दौरान छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान एवं विमुद्रीकरण जैसे विषयों को संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसमें जम्मू कश्मीर, बिहार, पंजाब, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से आये लोक कलाकारों की ओर से तैयार किए गए कार्यक्रमों की मोहक प्रस्तुतियां दी गयीं। जिन्हें सभी दर्शकों ने गर्मजोशी से सराहा। छात्रों की ओर से प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक को वीसी सहित कार्यक्रम में शामिल सभी शिक्षकों और संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों और प्रतिभागियों ने मुक्तकंठ सराहना की। राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव में शुक्रवार का दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोक कलाकारों के स्वागत, आतिथ्य एवं प्रदर्शन को देखने वीसी प्रो.जीसी त्रिपाठी के आगमन से प्रबन्ध शास्त्र संस्थान पधारे सभी अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों एवं अन्य आगंतुकों ने आयोजन की खूब सराहना की।

**THE TIMES OF INDIA, VARANASI
SATURDAY, DECEMBER 24, 2016**

Exhibition: Institute of Management Studies, Banaras Hindu University organised a management exhibition on Friday. TNN